राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

महामहिम राज्यपाल द्वारा आज मुंगेर विश्वविद्यालय, बी॰आर॰ए॰ बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर एवं पूर्णिया विश्वविद्यालय की अकादमिक गतिविधियों एवं कार्य–प्रगति की समीक्षा की

पटना, 07 सितम्बर 2019

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक आज राजभवन में आयोजित की गई, जिसमें मुंगेर विश्वविद्यालय, बी॰आर॰ए॰ बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर एवं पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया की अकादमिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों तथा कार्य–प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, मुंगेर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ रंजीत कुमार वर्मा, बी॰आर॰ए॰ बिहार विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति–सह–प्रतिकुलपति प्रो॰ डॉ॰ आर॰के॰ मंडल तथा पूर्णिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ राजेश सिंह सहित उक्त तीनों विश्वविद्यालयों के प्रतिकुलपति, कुलसचिव, परीक्षा–नियंत्रक, वित्तीय सलाहकार, महाविद्यालय निरीक्षक सहित शिक्षा विभाग एवं राज्यपाल सचिवालय के वरीय अधिकारियों ने भी भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री चौहान ने कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा में गुणवत्ता–विकास के लिए यह आवश्यक है कि हर हालत में एकेडमिक एवं शैक्षणिक कैलेण्डर को ससमय संचालित किया जाये। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय–विभागों तथा महाविद्यालयों में कक्षाओं का नियमित संचालन हो तथा शैक्षणिक सभी गतिविधियाँ निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण संचालित हों –इसके लिए आवश्यक है कि सभी कुलपति महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयीय विभागों पर अपनी सघन अनुश्रवण–व्यवस्था बहाल रखें। राज्यपाल ने कहा कि कुलपति स्वयं विश्वविद्यालय में रहते हुए शिक्षकों एवं अन्य शिक्षकेत्तर कर्मियों को भी अपने शिक्षण–संस्थानों एवं कार्यालयों में नियमित रूप से उपस्थित रहने के लिए प्रेरित करें।

राज्यपाल ने कहा कि परीक्षाओं का नियमित एवं स्वच्छतापूर्ण आयोजन निहायत जरूरी है। उन्होंने कहा कि परीक्षा–केन्द्रों का भी निर्धारण इस रूप में होना चाहिए कि कदाचारमुक्त वातावरण में परीक्षाएँ संचालित हो सकें। राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि परीक्षाफल का प्रकाशन करते हुए ससमय 'दीक्षांत–समारोहों' के जरिये डिग्री–वितरण भी समय पर सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में पाठ्यक्रमेतर गतिविधियाँ भी पर्याप्त रूप से संचालित होनी चाहिए ताकि विद्यार्थियों का व्यक्तित्व–विकास समुचित रूप में हो सके। उन्होंने सांस्कृतिक गतिविधियों के विकास के क्रम में स्थानीय लोक कला, लोक–संस्कृति एवं लोकगीतों आदि से जुड़े कार्यक्रम प्रमुखतापूर्वक आयोजित करने का निदेश दिया।

आगे पृष्ठ....2

राज्यपाल ने कहा कि 'पेंशन अदालतों' का नियमित आयोजन करते हुए सेवान्त–लाभ के लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त होनेवाले शिक्षकों एवं कर्मियों को सेवान्त–लाभी प्रदान करने के लिए संबंधित अभिलेखों की तैयारी छः माह पूर्व से ही शुरू कर देनी चाहिए, ताकि उनकी अधिकतर देय राशियाँ सेवानिवृत्ति के दिन ही उन्हें प्रदान की जा सकें।

राज्यपाल ने कहा कि 'बायोमैट्रिक उपस्थिति विधि' का सख्ती से अनुपालन होना चाहिए। जिन कॉलेजों में किसी वजह से बायोमैट्रिक उपकरण अबतक संस्थापित नहीं हो पाए हैं, वहाँ अविलम्ब इन्हें लगा दिया जाना चाहिए।

बैठक में **मुंगेर विश्वविद्यालय, मुंगेर** की उपलब्धियों एवं चुनौतियों पर अपने पावर प्रेजेन्टेशन के जरिये जानकारी देते हुए कुलपति प्रो॰ रंजीत कुमार वर्मा ने बताया कि मुंगेर विश्वविद्यालय के कुल 17 अंगीभूत कॉलेजों में से दो कॉलेज –आर॰डी॰एवं डी॰जे॰ कॉलेज, मुंगेर तथा बी॰एन॰एम॰ कॉलेज, बड़हिया को नैक मान्यता मिल चुकी है, जबकि 13 विश्वविद्यालयों के एस॰एस॰आर॰ दाखिल हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि उनके विश्वविद्यालय में सभी परीक्षाएँ समय पर आयोजित हुई हैं तथा उनके परिणाम भी समय पर प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने बताया कि उनकी दो शोध–परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं जिनके अनुमोदन की प्रतीक्षा है। उन्होंने बताया कि 'UMIS' के तहत 'स्टूडेंट साईकिल' से जुड़ी गतिविधियाँ ऑन–लाईन संचालित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि एडमिशन के कार्य अंगीभूत एवं सम्बद्धताप्राप्त महाविद्यालयों में ऑनलाईन ही पूरे किए गए हैं। कुलपति ने बताया कि 'बी॰एड॰ पोस्ट' एवं 'एच॰एड॰ पोस्ट' के जरिये फोटो अपलोडिंग का काम ससमय हो रहा है। बैठक में कुलपति को सी॰एफ॰एम॰एस॰ पर विश्वविद्यालय–शिक्षकों एवं कर्मियों के आँकड़े अपलोडिंग करने तथा छात्राओं के शुल्क से संबंधित आबंटन का माँग–पत्र शिक्षा विभाग को भेजने के निदेश दिये गये। उन्हें पुस्तकालय एवं प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण मद में संचारित आबंटन के विरूद्ध शीघ्र 'उपयोगिता–प्रमाण पत्र' भी भेजने को कहा गया। कुलपति को 'रोस्टर क्लीयर' कराते हुए 'गेस्ट फेकेल्टी' की नियुक्ति करने के लिए भी कहा गया। वर्तमान शिक्षण–सत्र का नामांकन पूरा हो जाने के एक महीना बाद 'छात्रसंघ चुनाव' कराने हेतु भी कुलपति को निदेशित किया गया।

बी॰आर॰ए॰ बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के प्रभारी कुलपति ने बताया कि उनके विश्वविद्यालय के कुल 39 अंगीभूत महाविद्यालयों में से 21 को 'नैक' की मान्यता प्राप्त हो चुकी है तथा 16 कॉलेजों ने एस॰एस॰आर॰ भी दाखिल कर दिया है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की 35 शोध परियोजनाएँ अनुमोदित भी हो चुकी हैं। कुलपति ने 'वृक्षारोपण अभियान' के तहत विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय–परिसर आदि में कुल 7190 वृक्षारोपण कराये जाने की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 2 को छोड़कर 37 अंगीभूत कॉलेजों में 'बायोमैट्रिक उपस्थिति उपकरण' संस्थापित हो गए हैं। कुलपति को 'बायोमैट्रिक उपस्थिति प्रतिवेदन' के आधार पर ही शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के वेतन–भुगतान करने के आदेश दिए गये।

कुलपति को पूर्व लंबित परीक्षाओं को यथाशीघ्र सम्पन्न कराते हुए जून, 2020 तक शैक्षणिक–सत्र अद्यतन कर लेने का सख्त निदेश कुलाधिपति द्वारा दिया गया। उन्हें सभी अंगीभूत कॉलेजों में 'स्मार्ट क्लासेज' शुरू कराने 'यू॰एम॰आई॰एस॰' का सफल कार्यान्वयन करने, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी में छात्रों का निबंधन अपरिहार्य करने के भी निदेश दिए गये।

आगे पृष्ठ....3

<u>पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया</u> के कुलपति प्रो०राजेश सिंह ने बताया कि पूर्णिया विश्वविद्यालय में अंगीभूत कुल 13 कॉलेजों में से 3 को 'नैक' मान्यता मिल चुकी है तथा शेष के एस०एस०आर० दाखिल कराने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि उनके विश्वविद्यालय की कोई भी परीक्षा विलम्बित नहीं है। उन्होंने बताया कि उनके विश्वविद्यालय द्वारा समर्पित कुल 7 शोध–परियोजनाओं के प्रस्तावों में से 2 को स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। कुलपति ने बताया कि पूर्णिया विश्वविद्यालय तथा उनके क्षेत्राधीन पूर्णिया, कटिहार, अररिया एवं किशनगंज जिलों के कॉलेजों में कुल 21889 वृक्ष लगाये गये हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय में 'प्लांट कैफेटेरिया' बनाये जाने की योजना की भी जानकारी दी जिसमें तालाब, हर्बल गार्डेन आदि का भी प्रावधान होगा। कुलपति ने विश्वविद्यालय में क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के आयोजन तथा 'एकलव्य' एवं 'तरंग' की तैयारियों की भी जानकारी दी।

राज्यपाल–सह–कुलाधिपति ने तीनों कुलपतियों को बैठक में दिये गए निदेशों का तत्परतापूर्वक पालन करने को कहा।

....